आजीविका
(विशेष परियोजना)

(आरोह फाउंडेशन द्वारा संचालित, ग्रामीण विकास मंत्रालय, भारत सरकार की योजना)

गरीबी रेखा के नीचे युवक-युवतियों के लिए रोजगार पाने का सुनहरा अवसर

अंक-05, संस्करण 02-अगस्त 2014

आरोह-आजीविका प्रशिक्षण केन्द्र पर हर्षोल्लास से मनाया गया स्वतंत्रता दिवस

68वें स्वतंत्रता दिवस के मौके पर आरोह फाउंडेशन द्वारा संचालित आरोह–आजीविका (विशेष परियोजना) प्रशिक्षण केन्द्र पर स्वतंत्रता दिवस बड़े धूम–धाम से मनाया गया। देश भक्ति और राष्ट्रीय भावना से भरे हुए ग्रामीण युवाओं के अन्दर कुछ ऐसी ही झलक स्वतंत्रता दिवस के दिन देखने को मिली। बुंदेलखंड के छतरपुर और दामोह जिले के प्रशिक्षण केन्द्रों पर स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रम आयोजित किया गया।

छतरपुर जिले के बडामल्हार स्थित प्रशिक्षण केन्द्र पर मुख्य अतिथि श्री नन्हे लाल गुप्ता (पूर्व खण्ड विकास अधिकारी) ने ध्वजारोहण किया। इसके बाद लाभार्थियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम और देशभक्ति गीत प्रस्तुत किए। कार्यक्रम में लाभार्थियों को संबोधित करते हुए श्री गुप्ता ने कहा कि– " आज स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर हम सबको यह शपथ लेनी होगी कि जिले से बेरोजगारी को दूर करने के लिए पूरी निष्ठा व लगन से प्रशिक्षण लेना होगा जिससे प्रशिक्षण प्राप्त सभी लाभार्थियों को बेहतर रोजगार मिल सके और गरीबी दूर हो सके।" कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए आरोह–आजीविका लाभार्थियों ने पर्यावरण संरक्षण और भ्रष्टाचार पर लघु नाटक भी प्रस्तुत किया। यह कार्यक्रम सेंटर संचालक मनोज सिंह, पूरन सिंह, मनोज खरे और नीरज वैद्य की देख–रेख में आयोजित किया गया।

दामोह जिले के तेंदुखेड़ा स्थित आजीविका (विशेष परियोजना) प्रशिक्षण केन्द्र पर स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रम बहुत धूम धाम से मनाया गया। इस अवसर पर लाभार्थियों ने ध्वजारोहण के बाद राष्ट्रगान व सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के अन्त में लाभार्थियों को मिष्ठान वितरित किया गया। इस अवसर पर तेंदुआखेड़ा सेंटर इंचार्ज संजीव कुशवाहा ट्रेनर संजीव वर्मन और साकेत जैन उपस्थित थे।

तेंदुखेड़ा सेन्टर पर 108 जी.वि.के आपातकालीन सेवा का प्रदर्शन

बड़ामल्हार केन्द्र पर ध्वाजारोहण करते लाभार्थी

इस अंक में

- *आरोह–आजीविका प्रशिक्षण केन्द्र पर हर्षोल्लास से मनाया गया स्वतंत्रता दिवस*
- *आरोह–आजीविका केन्द्र के लाभार्थियों का एक्सपोजर विजिट*
- *अतिथि शिक्षकों ने लाभार्थियों को सिखाए व्यवहारिक ज्ञान*
- *प्लेसमेंट कैंप का आयोजन*
- *लाभार्थी की कलम से – प्रमोद कुमार साहू, दीवान सिंह व महेन्द्र खरे*
- *मीडिया में आरोह–आजीविका*

आरोह-आजीविका केन्द्र के लाभार्थियों का एक्सपोजर विजिट

छतरपुर स्थित आरोह–आजीविका प्रशिक्षण केन्द्र पर मल्टीस्किल्ड तकनीशियन ट्रेड में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे लाभार्थियों का एक्सपोजर विजिट कराया गया। स्थानीय मोटर वर्कशाप में एक्सपोजर विजिट के दौरान लाभार्थियों ने मशीनों के संचालन व उपकरणों के रख–रखाव के बारे में जानकारी हासिल की। लाभार्थियों ने वर्कशाप में काम करने वाले लोगों से कार्य के बारे में जानकारी हासिल की। लाभार्थियों के इस एक्सपोजर विजिट का मुख्य उद्देश्य उन्हें सैद्धान्तिक ज्ञान के साथ–साथ व्यवहारिक ज्ञान भी देना जिससे लाभार्थी प्रशिक्षण केन्द्र से निकलकर आसानी से कार्यस्थल पर नौकरी कर सके। लाभार्थियों के इस एक्सपोजर विजिट का आयोजन सेंटर संचालक समसुल हक, शकील अहमद और नीरज वैद्य द्वारा आयोजित किया गया। इसी क्रम में दामोह के तेंदुआखेड़ा प्रशिक्षण केन्द्र के लाभार्थियों को स्थानीय टाटा कामर्शियल में एक्सपोजर विजिट कराया गया। सेल्स–रिटेल ट्रेड के लाभार्थियों को एजेंसी मैनेजर श्री अरूण जैन ने प्रोडक्ट को बेचने के तरीके बताए इसके साथ ही उन्होंने लाभार्थियों को व्यक्तित्व विकास पर भी ध्यान देने की बात कही। अरूण जैन ने लाभार्थियों को गुण सिखाते हुए कहा कि– "सेल्स–रिटेल के लाभार्थियों को सबसे पहले अपने पहनावे पर ध्यान देना चाहिए जिससे अगर आप किसी ग्राहक से मिले तो आप उसके सामने अपनी अच्छी छवि बना सके। उसके बाद आप को अपने बोलचाल व व्यवहार पर विशेष ध्यान देना चाहिए क्योंकि आप अपनी बातों के जरिए ही किसी ग्राहक को अपने प्रोडक्ट के बारे में बता सकते हैं व उसे सामान खरीदने क लिए तैयार कर सकते हैं।" इस अवसर पर सेंटर इंचार्ज संजीव कुशवाहा ट्रेनर सचिन वर्मन और साकेत जैन सहित 25 लाभार्थी उपस्थित थे।

एक्सपोजर विजिट के दौरान खुशी जाहिर करते छतरपुर के लाभार्थी

अतिथि शिक्षकों ने लाभार्थियों को सिखाए व्यवहारिक ज्ञान

प्रशिक्षण केन्द्र पर लाभार्थियों को प्रशिक्षण देते अतिथि शिक्षक राजेश मिश्रा

दामोह जिले के तेंदुखेड़ा स्थित प्रशिक्षण केन्द्र पर मल्टीस्किल्ड तकनीशियन ट्रेड में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे लाभार्थियों को तकनीकी व व्यवहारिक ज्ञान देने के लिए अतिथि शिक्षक श्री बलवन्त धुर्वे व श्री संतोष कोरी (प्रशिक्षण अधिकारी, आईटीआई, तेंदुआखेड़ा, दामोह) को बुलाया गया था। अतिथि शिक्षक ने लाभार्थियों को तकनीकी ज्ञान देते हुए लाभार्थियों को कार्यस्थल के कार्य के बारे में रूबरू करवाया। अतिथि शिक्षकों ने लाभार्थियों द्वारा पूछे गए सभी प्रश्नों का उत्तर दिए साथ ही उन्होंने लाभार्थियों को विभिन्न मशीनी उपकरणों के प्रयोग के दौरान सावधानियों से भी अवगत कराया। व्याख्यान के लिए अतिथि शिक्षकों ने लाभार्थी के समझने की क्षमता और तकनीकी ज्ञान में उनकी निपुणता को देखकर खुशी जाहिर की व उन्होंने लाभार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। इसी क्रम में छतरपुर केन्द्र पर सेल्स रिटेल ट्रेड के लाभार्थियों को प्रशिक्षण देने के लिए अतिथि शिक्षक श्री गिरीश पाण्डेय (सर्विस मैनेजर, के. एम.करियर प्रा. लि.) ने लाभार्थियों को प्रशिक्षण देते हुए कहा कि– वर्तमान युग प्रतिस्पर्धा का युग है। इस प्रतिस्पर्धा वाले युग में अपने आप को सफल एवं सुदृढ़ बनाना है, तो हमे ईमानदारी एवं कठिन परिश्रम करना होगा। सभी लाभार्थियों के सामने अनेक चुनौतियां आएंगी। लेकिन सबको इसका सामना बड़ी धैर्यता से करना होगा। उन्होंने लाभार्थियों के अन्दर आत्मविश्वास और हिम्मत भरने के लिए कई सफल व्यक्तियों की जीवन कहानियां भी सुनायी।

लाभार्थियों द्वारा कई तरह के रोचक प्रश्न भी पूछे गए, जिसका जबाब उन्होंने बड़ी सहजता के साथ दिया। कार्यक्रम के अन्त में उन्होंने भारत सरकार द्वारा चलाये जा रहे आजीविका प्रोग्राम की सराहना करते हुए कहा कि हमें फक्र होना चाहिए कि आज आरोह फाउंडेशन बीपीएल बेरोजगारों के भविष्य को संवारने के लिए तथा उन्हे रोजगारोन्मुखी बनाने के लिए उल्लेखनीय कार्य कर रही है इससे गरीब परिवार के बच्चे अपने परिवार की जीविका चलाने मे हाथ बंटा रहे हैं।

प्लेसमेंट कैंप का आयोजन

बीना, पथरिया व टीकमगढ़ स्थित आजीविका प्रशिक्षण केन्द्र से प्रशिक्षण प्राप्त लाभार्थियों को रोजगार से जोड़ने के लिए देवयानी इन्टरनेशनल प्रा. लिमिटेड द्वारा प्रशिक्षण केन्द्र पर प्लेसमेंट कैंप आयोजित किया गया। इस प्लेसमेंट कैंप में एचआर मैनेजर श्री अवनीश सिंह ने लाभार्थियों का लिखित परीक्षा और साक्षात्कार के आधार पर 150 लाभार्थियों का चयन किया। चयनित लाभार्थियों को एचआर मैनेजर ने अपने कार्यस्थल के बारे में रूबरू करवाया साथ ही लाभार्थियों के उज्जवल भविष्य की कामना की।

प्लेसमेंट कैंप के दौरान टीकमगढ़ के लाभार्थी

लाभार्थी की कलम से

प्रमोद कुमार साहू
लाभार्थी, आरोह–आजीविका
छतरपुर, म.प्र.

मेरा नाम प्रमोद कुमार साहू है। मैं पारवा गांव का निवासी हूं। मेरे परिवार मे कुल 7 लोग है। मैं घर मे सबसे बड़ा हूं। मेरा परिवार पहले बहुत खुशहाल था घर में किसी भी प्रकार की समस्या नहीं थी लेकिन दादा जी के निधन के बाद परिवार में मुसीबतों का पहाड़ टूट पड़ा। मेरे पिता जी ज्यादा पढे–लिखे नही थे इस कारण वह कहीं पर नौकरी नहीं कर सकते थे। घर की खराब आर्थिक स्थिति को देखते हुए मेरे पिता जी ने मजदूरी करना शुरू कर दिया। दसवीं की पढ़ाई करने के बाद मैं आगे की पढ़ाई नहीं कर सका। एक दिन मैने अपने गांव मे दुकान पर भीड़ लगी देखी वहां पर गांव के सभी युवा लोग कार्यक्रम के बारे में जानकारी ले रहे थे। गांव वालों ने मुझे बताया कि बीपीएल बेरोजगारों को प्रशिक्षण देकर रोजगार से जोड़ने के लिए कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है। मैं अगले दिन आरोह फाउण्डेशन के छतरपुर केन्द्र पर जाकर अपना नामांकन आईटीईएस ट्रेड में करवाया। मैं प्रशिक्षण केन्द्र पर नियमित प्रशिक्षण लेने जाता हूं जहां पर मुझे कंप्यूटर ज्ञान के साथ–साथ, अंग्रेजी ज्ञान व व्यवहारिक ज्ञान भी सिखाया जाता है। मुझे उम्मीद है कि प्रशिक्षण केन्द्र से ट्रेनिंग के पश्चात मुझे अच्छी जगह नौकरी मिलेगी और मैं अपने परिवार की मदद करूंगा। मैं आरोह फाउंडेसन और आजीविका परियोजना का बहुत आभारी हूं जिसके कारण आज मैं उस रास्ते पर खड़ा हूं जहां से अपनी मंजिल खुद बना सकूं।

दीवान सिंह
लाभार्थी, आरोह–आजीविका
तेंदुखेड़ा, दामोह, म.प्र.

मेरा नाम दीवान सिंह है। मैं दामोह जिले के तेंदुखेड़ा तहसील का रहने वाला हूं। मेरे पिता जी एक किसान है। घर में आमदनी का स्त्रोत सिर्फ खेती है इस कारण परिवार वालों की जरूरतें पूरी नहीं हो पाती हैं। आर्थिक तंगी के कारण परिवार में हमेशा लड़ाई होती रहती है। घर की समस्या से तंग आकर मैं एक बार भोपाल नौकरी की तलाश में आया लेकिन मेरी शिक्षा उस योग्य नहीं थी कि मुझे कहीं पर अच्छी नौकरी मिले। थक हारकर मैं वापस अपने गांव चला आया और गांव पर ही मजदूरी करके अपना जेब खर्च निकालता था। मैं हमेशा अपने परिवार की गरीबी दूर करने के बारे में सोचता रहता था लेकिन मैं कुछ कर नहीं पाता था। एक दिन मेरी मुलाकात आरोह फाउंडेशन के मोबलाइजर से हुई जो आजीविका (विशेष परियोजना) के बारे में जानकारी देने के लिए मेरे गांव में एक मीटिंग कर रहे थे। मैं वहां जाकर अपना नामांकन करवाया। तेंदुखेड़ा स्थित आरोह–आजीविका प्रशिक्षण केन्द्र से मल्टीस्किल्ड तकनीशियन ट्रेड में अपना नामांकन करवाया। अब मैं प्रशिक्षण केन्द्र पर नियमित प्रशिक्षण लेने आता हूं। प्रशिक्षण केन्द्र पर आने से मेरे अन्दर इतना आत्मविश्वास बढ़ गया है कि मुझे यह लगने लगा है कि मैं एक दिन जरूर किसी अच्छी जगह पर नौकरी करूंगा। मैं अपने इस सफलता का श्रेय आरोह फाउंडेशन को देने चाहता हूं कि जिनके कारण आज मेरे अन्दर नौकरी करने के लिए आत्मविश्वास पैदा हुआ है।

महेन्द्र खरे
लाभार्थी, आरोह–आजीविका,
छतरपुर, म.प्र.

मेरा नाम महेन्द्र खरे है। मैं ग्राम गुलगंज का निवासी हूँ। मुझे पढ़ने का बहुत शौक था। परंतु मेरे घर की आर्थिक स्थिति खराब होने के कारण मैं पढ़ाई नही कर सका। जब मैं किसी को पढ़ता देखूं तब मैं बहुत ही व्याकुल हो जाता था और सोचता था कि मैं यहां तक कैसे पहुंचूं। मेरे सामने एक बहुत बड़ी समस्या थी मेरे घर की आर्थिक स्थिति। मैं रोज सोचता था कि शायद कल एक उम्मीद की किरण आएगी। और मैं भी कमाऊंगा जिससे घर की सभी परेशानियां दूर कर सकूं। मेरे पिताजी एक गरीब किसान हैं। मेरे दो भाई हैं जो कि मजदूरी करते हैं। गरीबी के कारण हमारे परिवार पर काफी कर्ज हो गया था। कर्ज चुकाने के लिए मेरा पूरा परिवार सुबह से लेकर शाम तक संघर्ष करता था। मैं पूरी रात सो नही पाता, और यही सोचता था कि मैं अपने घर का कर्ज कैसे उतारूं। लेकिन मैने हिम्मत नहीं हारी और नौकरी ढूंढने लगा। मुझे हर जगह से निराशा हाथ लगी फिर भी मै हिम्मत नहीं हारा और लगातार परिश्रम करता रहा एक दिन मुझे आरोह फाउंडेशन के लोग मिले जो आजीविका परियोजना के बारे में गांव में चौपाल लगाकर लोगों को जानकारी दे रहे थे। मै वहां जाकर कार्यक्रम की पूरी जानकारी जुटाई और आईटीईएस ट्रेड में दाखिला लेकर प्रशिक्षण केन्द्र पर आने लगा। मुझे केन्द्र पर कंप्यूटर, अंग्रेजी और साक्षात्कार की ट्रेनिंग दी गई। अब मैं आरोह फाउंडेशन के प्रशिक्षण केन्द्र में ट्रेनिंग लेने के बाद अपने तहसील में ही नौकरी कर रहा हूं। मैं इस नौकरी से काफी खुश हूं।

मीडिया में आरोह-आजीविका (विशेष परियोजना)

स्वतंत्रा दिवस पर दिया गया प्रशिक्षण

तेंदुखेड़ा (आरएनएन)। आरोह प्रशिक्षण केंद्र तेंदूखेड़ा द्वारा व आसपास के सैकड़ो नवजवानों माता बहिनों एवं आमजनों को 15 अगस्त की षुभकामनायें देकर 108 एम्बुलेंस वाहन के बारे में रोचक भाषा में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई कि आप लोग कैसे 108 वाहन को किस तरह बुलाकर जरूरत पड़ने पर जरूरतमंदो की मद्द का सकते है । इसके बाद सांस्कृतिक कार्यक्रम में देषभक्ति गीतों के साथ देषभक्ति पूर्ण नाटकों का मंचन कर गरिमा पूर्ण वातावरण में लोगों को स्वतंत्रता की उपयोगिता की जानकारी दी गई इस अवसर पर सेंटर इंजार्च संजीव कुषवाहा ,सचिन बर्मन,साकेत जैन सहित सभी प्रशिक्षार्थी मौजूद थे।

शान से लहराया तिरंगा

धूमधाम से मनाया गया स्वतंत्रता पर्व

तेंदूखेड़ा (आरएनएन)। नगर में स्वतंत्रता पर्व पर स्कूली छात्र छात्राओं द्वारा रैली के रूप में नगरभ्रमण कर स्वतंत्रता दिवस पर नारे लगाते हुये भ्रमण किया एवं स्वतंत्रा अमर रहे के नारे लगाते हुये मुख्यकार्यक्रम स्थल हाईस्कूल प्रागंढ. पहुँचे जहां पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जनपद पंचायत अध्यक्ष श्री छप्पन सिह ने ध्वज फहराकर सलामी ली एवं मुख्यमंत्री के संदेष का वाचन करते हुये आजादी पर्व की षुभकामनायें दी इसके बाद स्कूली छात्र छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम में देष भक्तिपूर्ण नगमे ,नाटक ,एवं अन्य कार्यक्रम प्रस्तुत कर उपस्थित लोंगों का दिल जीत कर देषप्रेम की भावना लोगो के दिल में जगा दी । समाज सुधार से संबंधित नषामुक्ति नाटक पर लोंगो ने प्रस्तुत कर्ता छात्र छात्राओं की भूरी भूरी प्रंषसा की ए. एस. आई गोस्वामी ने मेरा हिन्दुस्तान स्वरचित रचना प्रस्तुतकर लोंगों में वीरता का भाव पैदाकर दिया । इसके उपरांत मेधावी छात्र छात्राओं को पुरस्कार वितरण किया।

अपीलः

सभी ग्राम प्रधान, बीडीओ, डीआरडीए, और सम्माननीय अधिकारियों से निवेदन है कि इस कार्यक्रम के तहत आप हमारा पूरा सहयोग करें। जिससे हम इस योजना का लाभ सही और जरूरतमंद लोगों तक पहुँचा सकें। धन्यवाद!

Published by AROH Foundation | F 52, Sector 8, NOIDA 201301 | www.aroh.in | arohfoundation@gmail.com | 0120-432802-08